मैथिली

स्नातक (प्रतिष्ठा) - II
पत्र - चतुर्थ
द्वितीय व्याख्यान

डा० राम कुमार राय
सहायक प्राध्यापक
मैथिली विभाग,
वि० वि० जनता महाविद्यालय, राजनगर

मैथिली साहित्यमे धार्मिक नाटक - 'अंकिया नाट'

मैथिली धार्मिक नाटक रचना मध्यकाल मे भेल। अधिकांश धार्मिक नाटक सबहिक आधार पौराणिक अछि। बंगालक 'यात्रा' मे असामक अंकिया नाट आ मिथिलाक 'किर्तनिया' मे धार्मिक तत्व भेटत। वंगालक वैष्णव आन्दोलनक प्रभाव ओहि रूप मे सर्वत्र परिलक्षित होइत। तत्पश्चात असाम, वंगाल आ नेपालसँ मिथिलाक बरोबरि रहबे कएल। तन्त्रक सिद्धपीठ कामरूप मैथिल लोकनिक आकर्षणक केन्द्र बनले रहल। असामक राजा लोकनिक ओहिठाम मैथिली मैथिल पण्डित लोकनिक आदर होइते छल। विद्यापतिक गीतक पूर्ण प्रचार एवं प्रभाव असाम मे भए गेल छल। असामक 'अंकिया नाट' पर मैथिलीक पूर्ण प्रभाव छल तथा ओकर सबहिक सम्पूर्ण कथानक रूप पौराणिक तथा धार्मिक पृष्ठभूमि पर आधारित छल। भागवत-पुराण, महाभारत तथा रामायणादिक

कथानक पर अधिकांश अंकिया नाट'क निर्माण भेल आंग्ल भाषा मे रचित डॉक्टर विरंचिकुमार बरुआ अपन 'अंकिया नाट' नामक पुस्तक मे आसामक प्रमुख धार्मिक एवं पौराणिक नाटक सबहिक जे अंकिया-नाट क नाम स प्रसिद्ध छल तथा प्रमुख नाटककार लोकनिक नीक जकाँ विवेचन कएल अछि। जे धार्मिक तथा पौराणिक कथा सबहिपर ई नाटक सभ आधारित छल तैं लोक सभ हृदय खोलि कए एकर स्वागत करलक। आसामक एहि धार्मिक 'अंकिया नाट' सभ मे शंकरदेवक छओ टा नाटक प्रमुख अछि-

यथा- 1. कालिय दमन
2. रुकुमणि-हरण
3. पत्नी प्रसाद.
4. राम-विजय
5. केलि-गोपाल एवं
6. पारिजात-हरण

माधवदेवक नाटक सभ यथा -

1. भोजन-व्यवहार
2. अर्जुन भञ्जन
3. रास-झुमरि

मे धार्मिक तत्व अछि एहि समग्र नाटके मे देवता लौकिक अद्भुत चरित्रक विभिन्न "झाँकी" प्रस्तुत करल गेल अछि। रामचरण ठाकुर रचित कंस-वध सेहो पूर्ण रूपे धार्मिक नाटक थिक। एकर अतिरिक्त प्रायः एहि रूपक धार्मिक मैथिली नाटक सम्बद्ध रचना अंकिया-नाटक रूप मे आसाम मध्य भेल।

सन्दर्भ:- मैथिली साहित्यक भूमिका - डा० परमेश्वर मिश्र

क्रमशः

Scanned with CamScanner